ITEP Units Approved by NCTE - New Milestone Achieved!

एसएस खन्ना में अब चार वर्षीय बीएड

उपलब्धि

- एनसीटीई ने दी 150 सीटों पर संचालन की मंजूरी
- चार वर्षीय बीएड की मान्यता पाने वाला पहला कॉलेज

प्रयागराज, कार्यालय संवाददाता। एसएस खन्ना डिग्री कॉलेज में अब चार वर्षीय बीएड इंटीग्रेटेड (एकीकृत) कोर्स की पढ़ाई शुरू होगी। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने कॉलेज को इस कोर्स के संचालन की अनुमति दे दी है। यह अनुमति कुल 150 सीटों पर दी गई है। इस कोर्स में इंटीग्रेटेड शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) लागू किया जाएगा, जो एक नया चार वर्षीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम है।

इविवि (50 सीटों बीए-बीएड) के बाद संबद्ध महाविद्यालय में चार वर्षीय बीएड की मान्यता पाने वाला पहला कॉलेज है। बीएड समन्वयक डॉ. सौम्या कृष्ण ने बताया कि इस चार वर्षीय पाठ्यक्रम में बीए-बीएड, बीएससी-बीएड और बीकॉम-बीएड में प्रवेश की सुविधा होगी। तीनों ही कोर्सों में 50-50 सीटें निर्धारित की गई हैं। नए शैक्षणिक सत्र से इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित नेशनल कॉमन इंट्रेंस टेस्ट (राष्ट्रीय सामान्य प्रवेश परीक्षा) के स्कोर पर प्रवेश होगा। यह पाठ्यक्रम आठ सेमेस्टर का होगा। इसके तीन प्रमुख फायदे हैं। चार साल में बीए-बीएड की पढ़ाई करने के बाद छात्र-छात्राएं पीजीटी (ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर) के लिए सीधे योग्य होंगे। इसके बाद बीए में शामिल मुख्य विषय से एमए (परास्नातक) कर सकेगा। इस पाठ्यक्रम को पूरा करने वाले छात्र को सिर्फ एक साल में एमएड की डिग्री मिल जाएगी। यह एक दोहरी डिग्री कार्यक्रम होगा। जो पूरी तरह से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप है। यह पूर्ण रूप से एक व्यावसायिक कार्यक्रम है, जो 100% रोजगार क्षमता प्रदान करता है। प्राचार्या प्रो. लालिमा सिंह ने समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी और बताया कि यह उपलब्धि न केवल महाविद्यालय के लिए, बल्कि प्रयागराज के गौरव का विषय है। यह एक ऐतिहासिक पहल है जो शिक्षकों के निर्माण की दिशा में एक सशक्त और नवोन्मेषी प्रयास के रूप में मानी जाएगी।

Published in Amar Ujala Newspaper on 27th June 2025

एसएस खन्ना में अब बीए, बीएससी और बीकॉम के साथ बीएड की पढ़ाई

एनसीटीई ने कॉलेज को चार वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम के लिए दी मंजूरी

अमर उजाला ब्यूरो

प्रयागराज। एसएस खन्ना ग्रर्ल्स डिग्री कॉलेज में अब बीए, बीएससी व बीकॉम के साथ बीएड की पढ़ाई होगी। नेशनल कौंसिल फॉर टीचर ट्रेनिंग (एनसीटीई) ने कॉलेज को इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) के संचालन की मंजूरी प्रदान कर दी है।

कुछ दिन पहले इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) को भी एनसीटीई से चार वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम बीए-बीएड के संचालन की मंजूर मिली थी। वहीं, एसएस

इविवि के संघटक कॉलेजों में से एकमात्र महाविद्यालय को मिली मान्यता

खन्ना महाविद्यालय को बीए-बीएड, बीएससी-बीएड व बीकॉम-बीएड की एक-एक यूनिट शुरू करने की मंजूरी मिल गई है।

तीनों इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में 50-50 सीटों पर प्रवेश लिए जाएंगे। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. लालिमा सिंह के अनुसार, मान्यता पत्र नौ जून को जारी किया गया था, जो 25 जून को कॉलेज को मिला है। देर से जानकारी मिलने पर प्रवेश संबंधी औपचारिकताएं पूरी नहीं हो सकी हैं।

ऐसे में ये पाठ्यक्रम अगले सत्र 2026-27 से ही शुरू होने की उम्मीद है। प्राचार्य ने बताया कि इविवि के सभी संघटक महाविद्यालयों में से एसएस खन्ना एकमात्र ऐसा महाविद्यालय है, जिसे यह मान्यता प्राप्त हुई है।

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि महाविद्यालय को देश के उन अग्रणी संस्थानों की श्रेणी में स्थापित करती है, जो महिला शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षक प्रशिक्षण के क्षेत्र में सराहनीय योगदान दे रहे हैं।

इससे भावी शिक्षकों को एकीकृत और सुदृढ़ प्रशिक्षण मिल सकेगा। बीएड समन्वयक डॉ. सौम्या कृष्ण ने महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों व कर्मचारियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ने भी भेजा है प्रस्ताव

ईश्वर शरण ने भी बीए-बीएड इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए इविवि के माध्यम से एनसीटीई को प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने का इंतजार है। कॉलेज में भी अगले सत्र 2026-27 से इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम में प्रवेश शुरू होने की उम्मीद है।

Published in Hindustan Newspaper on 27th June 2025

एसएस खन्ना को चार वर्षीय तीन बीएड पाठ्यक्रमों की मंजूरी

PRAYAGRAJ (26 June): एसएस खन्ना महिला महाविद्यालय को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आइटीईपी) के संचालन की स्वीकृति मिल गई है. इसके तहत चार वर्षीय तीन बीएड पाठ्यक्रम शुरू होंगे. इसमें बीए-बीएड, बीएससी-बीएड और बीकाम बीएड शामिल हैं. तीनों में 50-50 सीटें निर्धारित की गई हैं. तीनों पाठ्यक्र शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रारंभ किया जाएगा. इसमें बीएड पाठ्यक्रम को स्नातक स्तर की पढ़ाई के साथ एकीकृत किया गया है. कालेज प्रशासन का कहना है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों में से केवल एसएस खन्ना महिला महाविद्यालय को ही यह मान्यता प्राप्त हुई है.महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. लालिमा सिंह ने कहा कि पाठ्यक्रम स्वीकृति मिलना हमारे लिए गर्व का विषय है. बीएड समन्वयक डा. सौम्या कृष्णा ने बताया कि यह कार्यक्रम न केवल समय की बचत करता है, बल्कि शिक्षकों को समग्र रूप से तैयार करता है.आइटीईपी पाठ्यक्रम की विशेषता यह है कि यह पारंपरिक स्नातक और बीएड कोर्स को मिलाकर एक चार वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम के रूप में संचालित होता है.

Published in Inext Newspaper on 27th June 2025